* TALLY. ERP 9 - 90 DAYS *

9

10 * Introduction of Tally

11 * Company Creation

12 * F1 F2 F12 Keys

1 * Ledger Creation

2 * Inventory Info. Creation

3 * Purchase & Sales Voucher

4 * Five Question of Purchase or Sale

5 * Cash Purchase & Sale

6 * Stock Categorise

7 * Discount

* Godowns

* Cash to the Credit Purchase & Sales Good

* Purchase & Sale Return

9 * Bank A/c (Deposit Withdrawl & Transfer)

10 * Direct & Indirect Expenses

11 * Fixed Assets (1 Depreciation 2 Income)

12 * Secured & Unsecured Loan

1 * Loan Return in installment

2 * Investment

3 * Branch / Devision

4 * Bach Date (MFD Expiry)

5 * Sales & Purchase Order

6 * Delivery & Receipt Notes

7 * Rejection & cut Notes

* Godown Transfer

* Price Level

* Partner A/c

* Cost Centre
* Actual Bill Quantity Colamns
* G.S.T (Introduction)
* Purchase & Sale With G.S.T In Same State
* Purchase & Sale With G.S.T In Deffarent State
* Order Voucher With G.S.T
* T.D.S (C.A & Landlard)
* School and Coaching A/c
* Mis Exp.
* Loan and Advance Asset
* Deposite SST
* Payroll Voucher
* Post Dated
* Tax Invoice
* Pos Invoice

07 FRIDAY

WK 02 • 007-358

9 * Fixed Assets *

10 * Branch Division *

11

12

1

2

3

4

5

6

7

Introduction of Tally :- व्यवसाय के लेन-देन मे सैद्धान्तिक रूप देखकर लिखे गये निश्चित विधि को Tally (बारम्बारता) कहते है।

Father of Tally :- भरत गोयनके (बंग्लोर)
श्री श्याम सुन्दर गोयनके (~~1986~~)
(1986)

* T :- Total
* A :- Acaunting
* L :- Leading
* L :- List
* Y :- Year

* E :- Enter prices
* R :- Resource
* P :- Planing

Tally क्या है :- टैली सोल्युशन प्राइवेट लिमिटेड बेंगलुरु स्थित वेयर कम्पनी है। यह भारत मे सबसे ज्यादा चलने वाला मान्यता प्राप्त साफ्ट साफ्ट-वेयर है। से Tally के साफ्टवेयर मुख्य रूप वाउचर,

SUNDAY 09

(Voucher, Financial, Statements, Tarcation) के लिए प्रयोग किया जाता है। यह सॉफ्टवेयर खुदरा व्यापार के लिए बहुत उपयोगी है।

* Definition In Accounting

Trade (व्यापार) — कोई भी कार्य जिसमे वस्तुओ का क्रय - विक्रय लाभ कमाने उद्देश्य से किया जाता है, वह व्यापार कहलाता है।
जैसे — वकिल, अध्यापक आदि।

Profession (पेशा) — कोई भी कार्य जिसमें पूर्ण प्रशिक्षण करने कि आवश्यकता होती है। वह पेशा कहलाता है।

Owner (मालिक) — वह व्यक्ति या व्यक्तियो का (समूह) जो व्यापार मे पूँजी लगाते या व्यापार का संचालन करते है। तथा लाभ हानि के

अधिकारी होते है। वह व्यापार के स्वामी कहलाते है।

Capital (पूँजी) —

वह धनराशि जो व्यापारी माल या सम्पत्ति के रूप में लगाकर शुरु करता है। वह पूँजी कहलाता है।

Goods (माल) —

जिस वस्तुओ से व्यापारी व्यापार शुरु करता है। वह उसका माल Goods कहलाता है।

Purchase Return (क्रय वापसी) —

खरीदे गए माल में से जो माल विक्रेता को वापस कर दिया जाता है। वह क्रय वापसी कहलाता है।

Sales (विक्रय) —

जो माल बेचा जाता है. वह विक्रय कहलाता है।

Sales Return (विक्रय वापसी) —

जब बिके हुए में से कुछ माल खराब हो जाने वजह से वापस आता है। तो वह विक्रय वापसी कहलाता है।

Liabilities (दायित्व) —

वह रुपए जो अन्य व्यक्तियों या अपने स्वामी को चुकाने होते है। वह दायित्व कहलाता है।

* ये दो प्रकार के होते है।

(i) Long term/Fixed libilities (स्थायी दायित्व) —

वह दायित्व जो एक साल के बाद व्यापार समाप्त करने पर चुकाना होता है।

(ii) Stock (रहतिया) —

किसी व्यापार में वर्तमान में जो माल हमारे पास उपलब्ध है, वह रहतिया कहलाता है। साल के अंत में जो माल बिना

बिके रह जाता है। यह आखिरी रहतिया कहलाता है और अगले साल के पहले दिन वही माल शुरुआती रहतिया कहलाता है।

Reditour (लेनदार) —

वह व्यक्ति या संस्था जो किसी अन्य व्यक्ति या संस्था को उधार माल या पैसा उधार देता है। तो वह ऋणदाता या लेनदार कहलाता है।

Debtour (देनदार) —

वह व्यक्ति या संस्था जो किसी अन्य व्यक्ति या संस्था से उधार माल या पैसा उधार लेता है। ऋणी या देनदार कहलाता है।

Assets (सम्पत्ति) —

व्यापार के सम्पत्ति वस्तुए जो संचालन में सहायक होती है। सम्पत्ति कहलाता है। ये दो प्रकार के होते है।

<i> <u>Fixed Assests</u> —

अचल या स्थायी सम्पत्ति वे वस्तुएं जो व्यापार को चलाने के लिए स्थायी रूप से खरीदी जाती है। वह स्थायी सम्पत्ति कहलाता है। और जिन्हे बेचने के लिए नही खरिदा जाता है।

जैसे — भवन, मोटर-गाड़ी, फर्नीचर आदि।

<ii> <u>Current Assests</u> (चल या स्थायी सम्पत्ति) —

वह सम्पत्ति जो स्थायी रूप से जो व्यापार में नही रहता है।

जैसे — पैसा, बैंक में जमा पैसा, स्टाक आदि।

<u>Expenses</u> (व्यय) —

माल को बेचने या खरिदने में जो खर्च होते है। वह व्यय कहलाता है। यह दो प्रकार का होता है।

(i) Direct Expenses (प्रत्यक्ष खर्च या व्यय) —

ये वे खर्च होते हैं। जिन्हे व्यापारी माल खरीदते वक्त करता है। या माल के उत्पादन में करता है।
अर्थात कच्चे माल पर होने वाला खर्चा प्रत्यक्ष व्यय कहलाता है।

(ii) Indirect Expenses (अप्रत्यक्ष खर्च) —

अप्रत्यक्ष खर्च वह खर्च होता है, जो वस्तु के कम या वस्तु के निर्माण से न होकर वस्तु कि विक्री या कार्यालय व्यय से होती है।

Revenue (राजस्व) —

माल को बेचने पर उनसे जो Profit होता है। वह राजस्व Revenue कहलाता है।

Income (आय) —

SUNDAY 16

किसी भी माल को बेचने पर उनसे जो राजस्व (प्राप्त होता है। और उनमे से खर्चे घटाने के बाद जो राशी बचता है,

उसे आय Income कहते है।
* यह दो प्रकार का होता है।

<i> **Direct Income** (प्रत्यक्ष आय) —

यह वह आय होता है, जो मुख्य व्यवसाय प्राप्त होता है।
~~यह दो प्रकार के होती है।~~

<ii> **Indirect Income** (अप्रत्यक्ष खर्च) —

यह वह आय होता है, जो मुख्य व्यवसाय को छोड़कर होता है।
जैसे — किराया, ब्याज, आदि।

Discount (बट्टा या छूट) —

व्यापारी द्वारा दिए जाने वाला रियायत छूट या बट्टा कहलाती है।
* ये दो प्रकार के होते है।

Trade Discount (व्यापारिक बट्टा) —

व्यापारिक माल बेचते समय ग्राहक के माल मे जो छुट देता है।

वह व्यापारिक बट्टा कहलाता है।

(iii) Cash Discount (नगद बट्टा) —

जब किसी ग्राहक को कोई उधार माल बेचा जाता है। और उसे निश्चित अवधि में पैसा देना बताया जाता है। अगले वह अवधि से पहले पैसा जमा कर देता है। तो उसे छुट दी जाती है। वह Cash Discount कहलाता है।

Bad Debts (डूबत ऋण) —

जब उधार कि रकम वापस नही मिलता है, तो उसे डूबत ऋण कहते है।

Voucher (प्रमाणक) —

व्यापारी के सम्बंधी सभी व्यवहारो के लेन-देन के प्रमाणो के लिए जो ~~Disco~~ Document लिए तथा दिए जाते है।
वह प्रमाणक कहलाता है।

Ledger (लेजर) –

लेजर एक बैंक होता है, जिसमे पर्सनल, रियल या सभी Account होते है। जिनकी Entry जर्नल या सहायक पुस्तिका में होता है।

* Company Create In Tally

* Tally Me Company Banana —

Name = इसमें कम्पनी का नाम लिखिए
Malling Name = इसमें इण्टर करके आगे जाए
Country = इसमें इंडिया भरे
Address = कम्पनी का पता भरिए
State = अपना राज्य भरिए जिस राज्य मे कम्पनी है।
Fax No = इण्टर करके आगे निकल जाए
Pin Code = कम्पनी का पिन कोड भरिए
Teliphone No = टेलीफोन नं० भरिए
E-mail = कम्पनी इमेल भरिए
Website = कम्पनी का वेबसाइड भरिए
Currency Symbol = इसमे RS भरिए
Maintain = इसमे (Account with Inventory select) कीजिए

Financial yearfrom —

इसमे कोई भी वित्तिय वर्ष भरिए, अगर आप वित्तिय वर्ष 01/04/20 भरते है। तो आपको वित्तिय वर्ष 01/04/20 से 31/03/21 तक होगा।

Books - Beginning from — इसमें कोई बदलाव मत कीजिए।

Tally Vault Password — इसमें भी कोई बदलाव नही करना है।

Use - Security Control — इसमें कोई बदलाव मत किजिए।

Enter करके Accept कर दे अब हमारी Company तैयार है।

Tally से बाहर आना — Tally से बाहर आने के लिए ESC Button दबाए Enter Button दबाकर बाहर आ जाए।

Company को बंद करना — Alt + F3 को प्रेस करके Shut Company पे जाकर करे।

Company में सुधार करना —

Company में सुधार करने के लिए Alt + F3 बटन प्रेस करें Company में जाकर Alter में List of Companyes करें Company select जिसमे सुधार करना है।

Company को Delet करना —

Company को Delet करने के लिए Alt + F3 एक को प्रेस करें Company select कर Inter कीजिए।

Alt+D एक साथ दबाए फिर इन्टर कर दे Company Delet हो जाएगा।

* Function Key का प्रयोग —

Account of Vaucher —

F1 = इसमें Company select करते है |
F2 = इसमे हम Current को डालते है |
Alt+F3 = इसमें Company सुधार करते है |
F4 = इसमें हम बैंक Bank से सम्बंधी कार्य करते है |

जैसे —

से पैसा Bank में पैसा जमा करना Bank से पैसा निकालना स्थायी जमा खाता में जमा करे कि Entry F4 में करते है |

F5 = Payment - Vaucher —

जिसमें पैसा जाना जाता कोई भी Entry Cash / Loan . Bank से है | तो जाती Payment vaucher F5 से कि है |

F6 = Receipt - Vaucher —

जिसमें पैसा आता है | कोई भी Entry Cash / Bank में तो F6 Receipt - Vaucher में करते entry hai |

F7 = Jawmal - Vaucher —

यदि हमारी कम्पनी को किसी प्रकार कि हानि होती है।
जैसे — माल में आग लग जाना, माल चोरी हो जाना / खराब हो जाना आदि हो जाता है। तो Entry F7 में करते है।

F8 = Sales - Vaucher —

माल को उधार खरिदना तथा नगद बेचने कि Entry F8 Sales - Vaucher में करते है।

F9 = Purchase - Vaucher —

इसमें हम समान खरिदते है।

Account Only

इसमें हम पैसो का लेन - देन करते है।

Account with Inventory —

इसमें पैसो के भी साथ - साथ समानो का भी विकरण

रखते है ।-

* Ledger's Creation —

Account Info में जाकर लेजर में Creation करते है ।

Name = Arjun C/A मालिक
Under = Capital Account

Sundary Creaditors —

जो माल समान थोक S/C Company में रेट में खरीदता है । उसे हम विविध लेन - देन महाजन कहते है ।

Name = Maneesh S/C महाजन
Under = Sundry Creadition's

Sundary Debitors - S/d —

महाजन जिसे समान बेचता है, उसे ग्राहक कहते है ।

Name = Rafeek S/d
Under = Sundry - Debitors

Purchase —

इसमें हम समान खरीदते है।

Name = Purchase
Under = Purchase Account

Sale —

इसमें हम समान बेचते है।

Name = Sale
Under = Sale Account

* माना अर्जुन ने व्यापार शुरु किया — 80,000 ₹ में तो यहां पर अर्जुन Company का मालिक है। वह Company मे Cash लगा रहा है, और Company को Cash मिल रहा है।

9 अब Company को शुरू करने के लिए Accounting - Voucher में जाकर F6 पैसा लगाते
10 है।
11 Account = Cash =
Particular's Amount
12 Arjun C/A 80,000
1 Narration ———
2 Business started with Cash ———
3 * समान को Purchase के लिए entry F9 में होता है।
4
Ref ------- 1234
5
Party Account = Maneesh S/C
6 Particular = Purchase
Amount = 5000
7 Narration = Being Goods Purchase

30 SUNDAY

* Sale = करने कि entry F8 में करते है।
Ref = 1234

Party Account = Rafeek S/d

Particular — Amount
Sale — 6000

Narration -Being Goods Sale

* लाभ और हानि देखने के लिए Balance sheet में Alt + F1 में करते है।

* या Profit Loss में जाकर Detail देखने के लिए Alt + F1 प्रेस करके देख सकते है।

——— o ———

* Sale Return and Purchase Return —

* Sale Purchase Return —

F11+F1 बटन दबाकर Feature करने के लिए को बदलते है।

use Debit - Credit Note को yes करते है।
और फिर लेजर बनाते है।

Name = Sale Return
Under = Sale Account

Name = Purchase Return
Under = Purchase Account

* लेजर बनाने के बाद Account - Vaucher मे जाकर Sale Return कि entury करते है।

Credit Note होगा — Ctrl + F8

Nnvoice No = 1234
Particular = Dabit / Credit
Rafeek S/d = 2000

Sale Return = 2000

* Ctrl + F9 से Purchase Return करते है।
सबसे पहले अर्जुन के Account में पैसा लगाएंगे F6 से

Particular	=	Debit / Credit
Maneesh	=	2000
Purchase Return	=	2000

* Direct Expence / Indirect Expence —

Indirect Expence (अप्रत्यक्ष खर्च) —

जो माल कि बिक्री और ऑफिस से सम्बन्धी होता है। वह खर्च उसे Indirect Expence में रखा जाता है।

जैसे —
Salary दि गयी Donation दिया गया Discount दिया Tea खर्च Fees Bank Interest Loan, advertisement इत्यादि।

Account Info में जाकर Ledger Creat करे —

Name = Tea Expence
Under = Indirect Expenses

Name = Salary Ex—
Under = Indirect Ex—

अब Account Voucher में F5 से entry Payment करते हैं।

Acount = Cash
Particular = Amount

Tea Ex — 5000
Salary Ex — 5000

Note —

Note जितने भी खर्च माल के Production के लिए होते हैं। या Production से जुड़े होते हैं। उन्हें Indirect Expence में रखा जाता है।

* Direct Expence & Indirect Expence —

* Direct Expence (प्रत्यक्ष खर्च) —

इसके अंतर्गत वह व्यय जिसे खर्च करने पर कुछ लाभ प्राप्त होता है। उसे Direct Expence कहते हैं।

अंतर्गत आते हैं।

जैसे — Company में पैसा लगाना / माल खरीदना मजदूरी देना / बिजली का बिल जमा करना या फैक्ट्री का Rent दिया गया इत्यादि ।

Account Info में जाकर Ledger Creat करें —

Name = Paking Expence
Under = Direct Expence

Name = Water Expence
Under = Direct Ex —

Accounting - Voucher entry में जाकर F5 से करते है ।

Account	=	Cash
Particular	=	Amount
Paking Ex —		5000
Water Expence		5000

06 SUNDAY

* Direct Income / Indirect Income

व्यापार में जो भी पैसा आता है। उसमे से खर्च घटाने के बाद जो पैसा बचता है। उसे Income कहते है।

Direct Income (प्रत्यक्ष आय) —

वह Income होता है, जो Direct Income हमें माल या सर्विस बेचने से मिलता है।
उसे Direct Income (प्रत्यक्ष आय) के अन्तर्गत रखते hai।

Account Info जाकर लेजर Creat करते है।

Name = Loan Income , Bonas Income
Under = Direct Income, Intrest Income

Name = House Rent Income
Under = Direct Income

Indirect Income (अप्रत्यक्ष आय) —

Income वह Income होता है, Direct जो माल या सर्विस बेचने के अलावा Income मिलता है,

उसे InD Indirect Income के अन्तर्गत रखते हैं।

Account Info में जाकर लेजर create करे—

Name = Discount Income / Sales Tex Ref
Under = Indirect Income / Share Income

अब Accounting Vaucher में जाकर F6 से entry करते हैं।

Account Cash

Particular	Amount
Loan Income	50000
Discount Income	10,000

—— o ——

Loan (ब्याज)

Loan दो प्रकार के होते है।
<i> वो लोन जो हमने किसी को दिया है।
<ii> वो जो हमने किसी से लिया है। Loan है।

<i> जो Loan हम किसी को देते है। उसे (Advance Loan Assets Groups) के अन्तर्गत रखते है।

Account Info में जाकर करते है। Ledger Creat

Name = SBI (L/A)
Under = Loan Advance

अब Accounting - Voucher में जाकर F6 से entry करते है।

Account	Cash
Particular	Amount
SBI (L/A)	50,000

(ii) जो लोन हम किसी से लेते है। लोन दो प्रकार के होते है।

(i) Secure Loan
(ii) Unsecure Loan

Secure Loan —

ऐसा लोन जो हम किसी Bank से किसी व्यक्ति से Security से लेते है। और Security के लिए अपनी सम्पत्ति गिरवी रखनी पड़ती है। Security Loan के अन्तर्गत रखते है।

Accounting Voucher में जाकर F6 से entry करते है। जैसे —

Any Bank Loan

Society Loan / Any Person / Gold Loan Home Loan / Ledger Creat कर सकते है।

जो लोन हम किसी लेते है। उसे Liability (उत्तरदायित्व में रखा जाता है।

Accounting - Vaucher में जाकर F6 से entry करते है।

Name = HDFC
Under = Secure Loan

Account = Cash

Particular	Amount
HDFC	50,000

Secure Loan Payment :

Payment करने के लिए Secure Loan Account Info में जाकर Ledger Creat करते है।

Name = Intrest 5 %
Under = Indirect Ex.

अब Accounting - Vaucher में जाकर F5 से Payment करते है।

Account Particular	Cash Amount
HDFC	50,000

Interest 5%

Unsecure Loan —

ऐसा लोन जो हम किसी Bank या व्यक्ति से बिना Security के लेते है। उसे हम (असुरक्षित या Unsecure Loan कहते है।

अब Account Info में जाकर Ledger Create करते है।

Name = Arjun U/L
Under = Unsecure Loan

अब Accounting Voucher में जाकर F6 से entry करे —

13 SUNDAY

Account Particular	Cash Amount
Arjun U/L	50,000

* Unsecure Loan Payment —

करने के लिए Account info में जाकर Intrest Ledger Creat करते है ।

Name = Intrest 10%
Under = Indirect Ex —

फिर Accounting - Vaucher में जाकर F5 से entry करते है ।

Account Particular	Cash Amount
Arjun U/L	50,000

Intrest 5%

—— o ——

* Bank Account

ऐसा खाता जिसमें हम पैसा जमा करते हैं और जरूरत पड़ने पर निकालते हैं।
एक Bank से दूसरे Bank में transfer करते हैं। तो सबसे पहले उस बैंक का लेजर बनाते हैं।

* जिस Bank में पैसा जमा करना हो या निकालना हो तथा transfer करना हो।

Bank Account के प्रकार —

* Bank Account दो प्रकार के होते हैं।

<i> Saving Account
<ii> Current Bank Account

Saving Bank Account —

किसी व्यक्ति के नाम का Saving Account होता है।

Saving Bank Account से पैसा जमा करने का एक लिमिट होता है।

तथा Seving Bank Account में जब पैसा जमा रहता है, तो हमे उसका ब्याज मिलता है।

Current Bank Account —

किसी व्यवसाय या फैक्ट्री व्यापार के नाम का होता है। तो इसमें पैसा जमा करने का कोई लिमिट नहीं होता है। Current Bank Account और जमा पर कोई ब्याज नहीं मिलता जबकि Saving Bank Account मे जमा पैसा पर ब्याज मिलता है।

लेजर Creat करते है —

<i> SBI Bank
<ii> HDFC Bank
<iii> BOB Bank
<iv> ICICI / Bank

Name : SBI Bank
Under : Bank Account

Name : Arjun C/A
Under : Capital Account

लेजर बनाने के बाद Account Vaucher में जाकर F6 से पैसा जमा करते है।

Account Vaucher में जाकर F4 बटन दबाकर entry करते है। और पैसा जमा करते है।

Account Bank : SBI Bank of India

Particular	Amount
Cash	50,000

Bank से पैसा निकालना

Bank से पैसा निकालने कि entry भी F4 में करते हैं।

Account : Cash

Particular	Amount
SBI Bank of India	10,000

एक बैंक से दुसरे Bank में पैसा Tranfer करना

एक Bank से दुसरे के Bank में पैसा Tranfer करने के लिए — सबसे पहले उस बैंक का लेजर बनाते है। जिस Bank में पैसा जमा करना है —

Name : Union Bank of India
Under : Bank Account

फिर उस Bank का भी लेजर बनाते है, जिसमे से पैसा Tranfer करना होता है।

Note — जिस Bank से दुसरे किसी Bank मे पैसा Tranfer करना होता है। उसे Bank मे पहले से पैसा जमा करना चाहिए।

अब Accounting - Vouchere में जाकर इसकी entry F4 में करते है।

Note — जिस Bank में पैसा Transfer करना होता है। उस Bank का नाम Account में रखते है। और जिस Bank से पैसा transfer करना होता hai।

उस Bank का नाम Particular में रखते है।

Account — UBI Bank of India

Particular	Amount
SBI Bank of India	50,000

20 SUNDAY

✳ Chaque द्वारा पैसा जमा करना, निकालना —

Chaque के द्वारा पैसा जमा करना —

चेक के द्वारा अगर हमको पैसा जमा करना हो तो हमे सबसे पहले चेक का लेजर बनाने पड़ेगा फिर Company में पैसा चेक के द्वारा लगाते है।

Account Info जाकर Ledger Creat करते है।

Name : SBI / Bank of India
Under : Bank Account

Name : Chaque
Under : Bank D.D.A.C या C Bank OCC A/c

दोनो लेजर बनाने के बाद Accounting Voucher मे जाकर पैसा लगाते है F6 से।

Account : Chaque

Particular	Amount
Arjun C/A	50.000

Chaque से पैसा जमा करना —

Accounting – Vaucher मे जाकर F4 मे entry करते है।

Account SBI जमा करना

Particular	Amount
Chaque	50000

पैसा निकालना —

Account Chaque

Particular	Amount
SBI	10,000

— O —

Invesment (निवेश)

Invesment —

वह खर्चे के extra Profit या extra Saving के लिए हम उसे Invesment कहते है। या जो पैसा समय से प्राप्त ना हो।

For Example —

SBI/FD Bank of Account
HDFC/RD Bank Account
ICICI/LIC Bank Acc—

इन सभी को Invesment Group के अन्तर्गत रखा जाता है।

लेजर Creat करते है —

Name : SBI/LIC/Bank Account
Under : Invesment

अब Accounting - Voucher में जाकर FS से entry करते है।

Account : Cash

Particular - Amount
SBI /LIC /Bank Account 50.000

जब कुछ समय बाद हमे पैसा प्राप्त होता है। तो हमे Invesment Intrest भी मिलता hai।
तो इसके लिए Intrest का लेजर बनाते है।
फिर Accounting Vaucher मे जाकर F6 से entry करते है।

Name : Intrest 5%
Under : Direct Income

Entry F6

Account Cash

Particular Amount
SBI / LIC / Bank Account 50000
Intrest 5% 2500

Deposit Asset

Deposit Asset —

वो पैसा जो हमें जमा पूंजी — Security के तौर पर दिया है।
और समय बाद वो पैसा हमें वापस मिलना है।
उसे Deposit Asset कहते हैं।

For Example —

Security Deposit to Tata Company

Security Deposit to for shop rent
Security Deposit to water
Security Deposit to Plot

लेजर बनाते हैं —

Name = Security Deposit
Under = Deposit Assest

अब Accounting Voucher में जाकर इसकी entry करते है। FS

Account Particular — Cash Amount
Tata Company — 50,000

Account Particular — Cash Amount
Security Deposit to Water — 50,000

———— O ————

27 SUNDAY

Cost Center

Cost Center —

इसमें हम व्यवसाय शुरु करने के लिए कई लोग एक समूह में या एक समूह से अलग — अलग डिपार्टमेंट में पैसा Invest करते है।

Cost Center —

शुरु करने के लिए Keyboard F11 + F1 Button Press करते है और Monitor Cost center को yes करते hai —

तथा Use P Define Cost center को yes करते hai —

Class Name —

St David School

Primari — Cost Category —

यह Alt + C से उस डिपार्टमेंट या व्यक्ति के नाम का लेजर बनाते है।
जो व्यवसाय या डिपार्टमेंट पैसा जितना प्रतिशत Invest करते है।

Name —— Arjun 40%
Anurag 10%
Karan 50%

या Department ——

Marketing 40%
Real.S 40%
Plot 40%

अब Inter करके बाहर आ जाए ——

अब entry करने के लिए सबसे पहले एक लेजर बनाते है।

Name : Fees Income
Under : Direct Income

अब Accounting Vaucher मे जाकर F6 से entry करते है।

Cost Centery / classes St David

Account Cash

Particular	Amount
Fees Income	50,000
Plot Income	50,0000

Report देखने के लिए Display में जाकर Satatment to Account मे जाने के बाद Cost Center में जाए ——

Cost Category Summery पे entery करे

—— 0 ——

* Fees Income

Fees Income का मतलब होता है कि जैसे — कोई संस्था या Company में अलग Group होते हैं जो Income होता है।

उसका लेखा-जोखा हिसाब tally में रख सकते हैं। Fees Income शुरू करने के लिए —

Account info में जाकर class या Company Creat करते हैं।

Creat Group Ledger —

Name : Class 1
Under : Direct Income

Name : Class 2
Under : Direct Income

Accounting-Vaucher में जाकर F6 से entry सबसे पहले सबके नाम का लेजर बनाते हैं।

Account :- Cash

Particular	Amount
Karan	5000
Rajan	15000
Shivam	2500

* Account with Inventory

Account with Inventory में सबसे पहले Company बनाते है। उसके बाद Account info में जाकर कुछ लेजर बनाते है।

For Example

Name : Arjun C/A
Under : Capital Account

Name : Maneesh S/c
Under : Sundary Creditor's

Name : Rafeek S/d
Under : Sundary Debitor's

06 SUNDAY

Name : Purchase
Under : Purchase Account

Name : Sale
Under : Sale Account

ये लेजर Account info मे जाकर बनाते है। इसके बाद जो लेजर बनता है, वो Inventory info में जाकर बनाते है।

इसमें Inventory info में जाकर समानो का Group लेजर बनाते है।

Four Example —

Fruits / Mobile / Shop
Vegetable / Oil / Furniture /
Book etc.

लेजर Ledger —

Name : Fruit
Under : Primary (Accept)

अगला Ledger बनाने के लिए Inventory info में आकर —

Units of Measure — में बनाते है।

Four Example —
P.C.S / kg / Dzn / Litter etc

Type Symbol —

Ledger Symbol = P.C.S

Formula Name = ------ कुछ नही

Stock item —

वो लेजर Stock Item मे हम बनाते है जो - जो समान या Item जिस Group के अंतर्गत लेना चाहते है।

Four Example Mobile —

Jio Phone / Nokia Phone / OPP / Lava etc.

Shop = Lax / Laiboy / Dettol etc.
Vegetable = Onion / Potato / Tomato etc.
Oil = Refaind / Mustard Oil etc.
Fruit's = Apple / Mango / Banana etc.

लेजर —

Name = Banana
Under Group = जिस Group का समान है

Unit-s = P.C.S / kg / Dzn / Litter मे (जिनका Unit है)

अब Accounting - Voucher में जाकर Cash या Bank किसी के द्वारा Company ये पैसा Invest करते है।

पैसा लगाने कि entry F6 से करते है।

Account = Cash या Bank

Particular =	Amount
Arjun C/A	80,000

अब F9 से समान को Purchase करते है।

Supplier invice No = 1, 2, 3, 4
Party A/C Name = Maneesh S/d
Purchase Ledger = Purchase

Name of item	Qty	Rate	Per unite	Amount
Apple	15	200	Kg	20
jio Phone	10	2000	PCS	400
Lux Shop	8	80	DZN	40

अब F8 से समान को Sale करते है —

— o —

* Rejection Out

Rejection in और करने Rejection Out के लिए सबसे पहले हम F11+ F2 बटन दबाकर Featur को चालू करते है।

फिर use traking No- और use Rejection Inward and Outward Not8 को Yes — करते है।

* फिर Accounting info में जाकर लेजर पांचो का बनाते है।

* इसके बाद समान का लेजर बनाते है।
* Accounting - Vaucher में जाकर F6 से पैसा लगाते है।
* अब F9 से Purchase करते है —

* जब हम समान को Purchase करते है। अगर उसमे से कुछ समान खराब हो जाता है। तो महाजन Company को समान

समान वापस करता है। (Alt + F6) से फिर इसकी entry करते हैं। Alt + F6

Ledger Account / Supplier & Name and Address

Maneesh S/C Maneesh S/C

Name of item	Qty	Rate Per	Amount
Apple	10	50	100
Jio Phone	5	2000	400

* Name of Item में Entry करने के बाद

Item Allocations For —

Quntity Rate Per Amount Traking No - 1 रहेगा —

13 SUNDAY

अब Quntity डालते हैं। Rate Per Amount अपने आप ले लेता है।

Rejection In —

इसमे जब समान sale करते है तो कुछ समान खराब हो जाता है तो समान वापस करने के लिए इसकी entry ctrl + F6 में होता है।

Ledger Account Rafeek S/d   Costomers Name and Rafeek S/d

Name of item	Qty	Rate	Per	Amount
Jio Phone	5	2000	Pcs	4000
Orange	3	200	Kg	400

Narration —

* Expiry Date

समान का expiry Date सेट करना —

expiry Date लगाने के लिए पहले F11 + F12 बटन दबाकर Feature को चालू करते है।

Maitain Both wise Detail and set expiry date four Bateeber yes करते है।

फिर Inventory Info में जाते है।

① Stock Group —

इसमें समान का Group बनाते है। As. shop/ Mobile / Fruit / oil / vegetable etc.

② Unit Measure —

इसमें समान कि मात्रा लिखते है — जैसे — Kg / Dzn / Pcs / Litter etc.

Stock Item

इसमें समानो का नाम Great करते हैं।

Apple, Banana, Jio Phone, Sumsung Phone
Lux shop, Supiriya shop
Refinail, Mustasal oil, Orion,
Brinjal etc.

Name : Jio Phone
Under : Mobile

Unite : C.PU

इसके बाद —

Maintain Batches — Yes
Track Date of MFG — Yes
Use expiry Date — Yes

इन सबको yes करना पड़ता है।

अब Accounting - Vauchere में जाकर Alt + 10 से समानो पर expiry Date लगाते हैं।

Name of item = Jio Phone
Bath lat No = 01
MFG = Date = Manufat Date डालते है
Quantity = 2 year's
Amount =
Accept karte hai —

अब F9 से समान Purchase करते है।

Ref = 1234
Party A/c Name = Maneesh A/c
Purchase Ledger = Purchase

Narration ——

अब F8 से समान को Sale बेचते है —

Ref = 1234
Party = Rafeek S/d
Purchase ledger = Sale

Name of item		Qty	Rate Per		Amount
Mango	=	20	50	Kg	150
Banana	=	10	50	Dzn	150
Orange	=	8	50	Kg	150
Jio Phone	=	5	2000	P.C.S	200

Narration

✳ Discount

Discount

पहले Discount लगाने के लिए F11 + F2 बटन दबाकर Feature On करते है।

फिर use seprate Discount on ins को Yes करते है।

फिर पुरे पेज को Ctrl + A से Accept कर लेते है।

अब Accounting - Vaucher में जाकर महाजन से समान खरिदते है। F9 Purchase करते है।

Ref : 01234
Party accept Name : Maneesh S/c
Purchase Ledger : Purchase

Name of item	Qty	Rate	Per	Dis-	Amount
Apple	2	50	Kg	2%	
Mango	3	50	Kg	4%	
Banana	2	50	Dzn	3%	

अब F8 से समान को बेचते Sale करते है।

Ref = 01234
Party Name = Rafeek S/d
Sale ledger = Sale

Name of item	Qty	Date	Per	Dis-	Amount
Apple	20		Kg	2 /-	
Mango	15		Kg	3 /-	
Barbana	18		Dzn	5 /-	

Go Down

Go Down

Go Down feature को On करने के लिए F11 + F2 बटन दबाकर Maintain Go Down को Yes करते है।

फिर Inventory info में जाकर Go down का Ledger creat करते है।

Name : Jaunpur
Under : Main location

Name : Shahganj
Under : Primary

Name : Gurraini
Under : Primary

फिर Inventory info में जाकर समान का लेजर बनाते है।
Account info में जाकर मालिक का Ledger बनाते है।

फिर F6 से कम्पनी में पैसा लगाते हैं। समय समान का भी लेजर बनाते हैं।

अब Accounting Vaucher में जाकर F9 से समान Purchase करते हैं।

Supplier Invice No = 0123
Party's A/C Name = Maneesh S/c
Purchase Ledger = Purchase

Name of item	Qty	Per	Amount
Brinjal	20	50	
Banana	22	50	
Mango	25	50	

Sale = F8 करना है।

Narration

* Stock माल Transfer करना

एक Go Down से दूसरे Go Down में करना — Stock Transfer

एक Go Down से दूसरे Go Down मे Stock Transfer करने के लिए Alt + F7 करते है। फिर जिस Go Down में माल है, उसे पहले वाले पेज पर Name लिखते है।

* Go-Down

Name of item	Qty	Rate	Amount
Banana	Jaunpur	150	50
Brinjal	Jaunpur	250	100
Mango			

फिर में Go-Down का नाम लिखते है, जिस Go-Down मे Stock है।

As- Jaunpur —

अब दूसरे पेज वाले Go-Down पर जाते है।
इसमें Go-Down का नाम डालते है। जिसमे माल नही है।
जिस Go-Down में माल Transfer करता है।

Name item	Qty	Rate	Amount
Banana	Jaunpur 2	50	150
Mango	Jaunpur 3	50	250
Orange	Jaunpur 2	50	200

Narration ———— एक Go-Down से दूसरे Go-Down मे माल transfer करने के लिए Alt+F7 बटन दबाकर Feature बदलते है।

* Purchase करते समय ————

Location	Qty	Ratepen	Amount
Jaunpur	5	50	

Purchase करते समय item लेने के बाद में Option आता है। Location जिस Godown में माल रखना है। वो Go-Down लेते हैं। Qty Rate डालकर डबल करे फिर दूसरे item माल को एक ही Go-Down में रखे।

फिर Alt+F7 से माल Transfer करते हैं।

—— o ——

27 SUNDAY

✳ Actual Bill बनाना

Actual Bill बनाना —

Actual Bill बनाते समय C/A, S/C, S/d, Purchase, Sale को लेजर Creat करते है। F6 से पैसा जोड़कर पैसा Accounting - Vaucher मे लगाते है। फिर F11 + F2 करके —

Use seperate actual and billed Qty Collume ko yes karate hai —

Feature चालू करके पहले समान का लेजर बनाते है।

Stock Group = Mobile / Shop / Fruit / etc.
Measure Unit = PCS / kg / Dzn / Litter
Stock item = Apple / Mango etc.

इन सब का लेजर बना लेने के बाद Feature चालू करते है।

फिर F9 से समान Purchase करते है। इसमे कम समान खरिदकर ज्यादा समान कि Bill बनाते है।

Name	Qty Actual	Qty Bill	Rate	Amount
Banana	5	6	80	
Burinjal	3	6	80	
Mango	4	7	90	
Lux	5	6	90	
Dettol	4	8	80	
Onion	2	7	80	
Oil	3	6	90	
jio	3	9	1000	
Tomato	5	10	100	

फिर F8 से समान Sale करते है। Sale करते समय ज्यादा कि Bill दिखाते करके कम है।

Name	Qty		Rate	Amount
	Actual	Bill		
Apple	3	2	50	
Mango	3	2	50	
Oil	3	2	50	
Banana	3	2	50	
Onion	3	2	50	
Tomato	3	2	50	
Dettol	3	2	50	
Lux	3	2	50	
Jio	3	2	50	

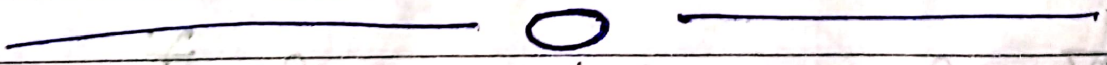

* Price List

* Price List में c/A / S/c / S/d / Purchase / Sale का लेजर बना लेते है।

* सभी समान का भी लेजर बनाते है।

* अब F9 से समान Purchase करते है।

* समान Purchase करने के बाद F11 + F2 से Feature को चेन्ज करते है।

* Use Multiple Price level yes करते hai —

<i> फिर Company Price level में

<ii> Whol-Sale

<iii> Retail लिखते है।

* फिर Inventory में जाकर Price List में जाते है।

Price ←
Alt item Karenge ←
Retail करना हो तो Retail ←
whol sale करना हो sale ←
Application from 1-APR-2008 ←

Sr.No	Particular	Qty From	Qty Less than	Rate	Dis-
1	Mango		5 kg	50	
2	Banana		10 kg	40	
3	Orange		4 kg	50	
4	Onion		10 kg	40	

Price List लगाते समय space Bar दबाकर Particular में item का नाम डालते है। Less than में जितनी Qty चाहिए — वो डालते है, Rate में Rate डालते है। फिर entry करने के बाद From में जितनी बार पीस से जितने पीस तक लेना है। वो डालते है।

Rate मे जितने रुपया कम करके देना है।

9

* फिर Accounting- Vaucher मे जाकर F8 से Sale करते है।

10 Qty डालना होता है। Rate amount अपने आप ले लेता है।

11

12

Price Level : Whole Sale
Ref - No : 123
Sale Ledger : Sale

Party / A/c Name — Rafeck S/d

Name of item	Qty	Rete Per	Amount
Apple	5	50	
Mango	5	50	
Banana	5	50	

03 SUNDAY

—— 0 ——

* GST

GST में सबसे पहले Company Creat करते है। फिर F11 + F3 से Feature On करते है।

GST Details —

GST IN/UIN में 09AAAAA1234A4Z5 Fill Karate hai —

Set/Alter GST Rate Details — yes Karte hai —

Description = Primary Item
HSN / SAN = 1234

How menyissytem Nawmetalual / services Accounting Code —

Taxability — Taxable

Tax Type — Rate

Interwedel Tax = 18 %
Central Tax = 9 %
State Tax = 9 %
0 %

अब इसे Ctrl+A से —
फिर सभी लेजर को Creat करते हैं।

Name = Arjun Singh C/A
Under = Capital Account

Name = USBI Bank of India
Under = Bank Account

Name = Purchase
Under = Purchase Account
Type of supply — Goods

Name = Sale
Under = Sale Account

Type of supply — Goods

<i> Name = Maneesh S/c Local Supplier
Under = Sundary Creditors
Set Alter = yes

<ii> Name = Rafeek C/G supplier C/G
Under = Sundary Deditours

Name = IGST
Under = Duties and Taxes

Type of = GST
Tax Type = Intigrated Tax

Name CGST = CGST
Under = Duties and Taxes

Type of Tax = GST
Tax Type = Central Tax

Name = Rafeek S/d Costomer local
Under = Sundary Debitors

Set Alter GS = yes

Name = SGST
Under = Duties and Taxes

Type of Tax = GST
Tax Type = State Tax

* अब Inventory में जाते है।

9 सामानो का लेजर Creat करते है।

10 Stock item = Banana
Under = Primary
11 Unit's = Dzn
Type of Supply = Goods save करते है।

12

1 अब Accounting - Vaucher मे जाकर F9 से करते है।

2

3 और F2 से Finacial year की Date change करते hai —

4 Party A/c Name = Maneesh S/c
Purchase Ledger = Purchase A/c

5

6 Tax classification मे Purchase Taxbe select karate hai —

7

Name of item	Qty	Rate	Amount
Banana	5	50	
Mango	5	50	

Note - Alt+A से check - GST

C GST
S GST

Narration ——————

अब F8 से Sale करते है।

Party A/c Name = Rafeek S/d
Sale Ledger = Sale A/c

Tax Classification में Sale taxble चुनेगा फिर item ——

Name of item	Qty	Rate	Amount
Banana	3	60	
Mango	3	60	
C GST	3	60	
S GST	3	60	

Naration ——————

Name = Costomer Delhi F8 Sale के लिए
Under = Sundary Debitours

Cess

Cess

सबसे पहले Cess को शुरू करने के लिए F11 + F3 बटन दबाकर GST को Enable कर ले —

फिर Accounting info में जाकर लेजर Creat करते है।

Name = Arjun c/A
Under = Capital Account
Set-Alter GST = Yes - Accept

Name = Maneesh S/C
Under = Sundary Creditors
Set-Alter GST = Yes - Accept

Name = Rafeek S/d
Under = Sundary Debitors
Set-Alter GST = Yes

Name = Purchase
Under = Purchase Account
Type of Supply = Goods

Name = Sale
Under = Sale Account
Type of Supply = Goods

Name = CGST
Under = Duties Taxes
Type of Duty / Tax = GST

Tax Type — Central Tax

Name = S.G.S.T
Under = Duties Taxes

Type of Duty / Tax = GST
Tax Type = State Tax

अब Inventory info में जाकर Group Stock item Units measure Ka Ledger Banate hai —

पहले Stock Group में जाकर Group बनाए —

Name = Rice
Under = Perimary

फिर units of mesure में जाकर units बनाए ——

Symbol = K.g
Formula Name = Accept

अब stock item में जाकर stock item Ledger बनाते हैं ——

Name = Sonam. R—
Under = Rice
Unite = Kg

Set Alter. Gst = F12 Yes
Type of Suply = Goods

अब Accounting Vauchere में जाकर F9 से entry करते हैं।

Suppier Invice No =
Party A/c Name =
Purchase Ledger =

Name of item	Qty	Rate	Amount
Sonam-R	500	75	
Moti Gold	600	80	
Ganga Kaveri	400	95	
Rice	500	60	

फिर Accounting-Vaucher मे F8 से Sale करते है।

Ref. No = 1234
Party A/c Name = Rafeek S/d
Sale Ledger = Sale

लेजर —

Name = Cess
Under = Duties and Taxes
Type of Duty/Tax = Gst
Tax-Type = Cess

—— o ——

* Singal item Set अलग-अलग Rate list करना ———

सबसे पहले लेजर मे आकर Creat करे Account info ———

Name = Arjun c/A
Under = Capital Account

Name = Maneesh S/c
Under = Sundary Creditours

Name = Rafeek S/d
Under = Sundary Debitours

Name = Purchase
Type-of Supply = Goods
Under = Purchase Account

Name = Sale
Under = Sale Account
Type of Suply = Goods

Name = GST
Under = Duties and Taxes

Type of Duty / Tax = GST
Tax Type = Central - Tax

Name = S. Gst
Under = Duties and Taxes
Tax-Type = Gst

Name = I. Gst
Under = Duties and Taxes
Tax Type of Duty Tax = G.St
Tax Type = Intergrated Tax

फिर Inventary info में जाकर Group units of messure stock item का लेजर बनाए ——

Stock item = ←
Name = Furmiture
Under = Primary
Unite of messure = ←

Symbol = PCS
Formula Name = कुछ नहीं
Unit Quantity = कुछ नहीं
Stock item = ←

Name = Watermelon
Under = Kg

Gst Applicable = Applicabionle
Setalter Gst = Yes

DesCription = Primary
H.S.H / SAC = 1234

Tax Details =
Calkulation = On item Rate

Stock item

Rate
Greater than | Upto | Tax Type
| 50 | Taxble

Intergrated Tax Rate	Central Tax Rate	Salate Tax Rate
5 %	2.50 %	2.50 %
12 %	6 %	6 %
18 %	9 %	9 %

17 SUNDAY

Tax - of Supply

Yes

9 Note —

Accounting - Vaucher में जाकर
10 F9 से Purchase
करे —

11
* F8 से जाकर Accounting - Vaucher में
12 Sale करे (Alt+A) से
Tax Rate cheak करे —

1

2 (Alt + A) F1 से Tx Rate check करते है।

3

4

— o —

5

6

7

* MRP wise Rate

GST set karana ——

Stock में जाकर लेजर बनाते है।

Name = Lava MRP
Under = Mobile
Units = PCS

GST - Appicatble = Application
Set - Alter GST = yes
Type of supply = Goods
Rate of Duty = 12 (Save)

Set Alter MRP Details = yes
Allow MRP Modification In Vaucher = No

Consider MRP For Calculate of GST Rate
In slab Rat + ? yes
MRP Rate =

Entry ——

Purchase Ledger में जाकर Tax Rate डालना करते समय F9 बटन प्रेस करें

और Allow Modification Cation of Details Ko Yes Kare —

फिर Tax classification Details —

Classification / Nature = Purchase Tax
IS Inligeble = No
IS Reversecharge = NO

Rate
New ↓ current
12%

Note —
जो Rate यह List पर लगेगा वही सभी Item पे होगा —

— O —

T.D.S → भारत में अगर आप, एक सीमा (limit) से अधिक सैलरी पाते हैं, तो आपका TDS कटता है। इसी तरह एक सीमा से अधिक, ब्याज, किराया, लाभ पुरस्कार (वगैरह) पर T.D.S कटता है।

T.D.S

TDS enable करने के लिए सबसे पहले F11 + F3 बटन दबाकर enable – Tax Deducted at Furs TDS को yes करते हैं।

Set-Alter T.D.S Details को yes करते हैं।

Tanregistration = Number ASD F12345A भरते हैं
Delucton Type = Company
Ledger = Creation

Name = Arjun C/A
Under = Capital Account

Name = Audit Fees
Under = Indirect Expenses

Is TDS Applicable = Application
Netune of Payment = C/A Maneesh

Dir

Name = C/A Maneesh
Under = Sundary Creaditors
Is T.D.S = yes

Deductee Type = Invidual / Huf Resident
Deduct TDS In same - Vaucher = yes

अब Accounting - Vaucher में जाकर F6 से entry करते हैं।

Account Particular	Cash Amount
Arjun C/A	800000

फिर Accounting - Vaucher में F7 दबाकर जाकर turant Vaucher में entry Karate hai —

	Particular	Debit	Credit
Audit	Or	Audit Fees	401000
			32,000
	C/A Manesh		
	Or — TDS on Audit Fees		80000

* T.D.S Payment Karana

T.D.S Payment करने के लिए Accounting Vaucher मे जाकर F5 करते है। पहले से Payment Alt + S करके —

Tax Type = T.D.S
Period From = 01/03/2019 To — 31/03/2019
Account = Cash

Particular	Amount
C/A Mohan	32,000

Second Payment

Account Cash

24 SUNDAY

Particular	Amount
T.D.S on Audit Fees	80000

सेभार —

Name = T.D.S on Adit Fees

Under = Duties & Taxes

Type of Duty / Tax = T.D.S

Nature of Payment = C/A - Maneesh

- POS Invoice :- (Point of Sale)

9 जब दुकान मे फुटकर लेनदार के लिए पैसो का
10 भुगतान Cash या अन्य माध्यमो से होता है।
तब हम इस Voucher का उपयोग
11 कर के बिल बनाया जाता है।

⇒ सबसे पहले G.S.T का feature on
करते है। f11, f3 बटन को प्रेस करके
1 G.S.T को Enable (अनेबल) करते है।

2 ⇒ Ledgers Create करते है

⇒ C/A, S/D, S/C, Sale, Purchase
का लेजर बनाते है।

⇒ Accounts Vouchers मे जा कर Entry F9 से करते है

⇒ Voucher Type Creation

6 Name — Pos invoice

7 Select Typs of Vouchers Salles

Appervilion — Sale

Mathod of Voucher Numbaring - Automatic
print Voucher of saving - yes

Use gaw Pos in inyvoicing — yos

Massage to printy ⇒ Good only Change Not Returns
Massage to print 2 ⇒ ↘ Return time After 4 P.M

⇒ Accounting Vauchers मे जाकर Entry F8 से करते हैं

⇒ Sale मे जाकर Pos Invice Select करते

* Service Tax * Invoice

⇒ यह दस्तावेज या चालान जो आपूर्तिकर्ता द्वारा खरीदार को जारी किया जाता है। उसे, चालान, या, कर चालान, के रूप मे जाना जाता है।

⇒ f11 + f3 को प्रेस कर के feature को On करते है।

⇒ Enable Service Tax ⇒ Yes

⇒ Set/alter Service details ⇒ Yes

⇒ Servicetax registration number ⇒ 0104754280

⇒ Set/Alter Service Tax details ⇒ Yes

Name :- Amit

14 %

7 %

7 %

7 %

7 %

⇒ Ledgers Create करते हैं।
⇒ C/A, S/C, S/D, Sale, Purchase

⇒ Name ⇒ Service Tax
Under ⇒ Duties & Taxes
Type of duty / Tax ⇒ Service Tax
Tax Head ⇒ Any

⇒ सामानों का Ledger बनाते, Ex: Apple, Banana

⇒ फिर Accounting Voucher में जा कर (C/A) में पैसा लगाते हैं

⇒ Accounting Voucher में (F9) से सामानों को Puchase करते हैं।
और (Service Tax) को करते हैं।

⇒ Accounting Voucher में जा कर (F8) से Sale करते हैं।

और (Service Tax) को करते हैं।

* Excise *

Excise Tax ⇒ यह देश के अन्दर गुड्स के प्रोडक्शन और उसकी बिक्री पर केन्द्र सरकार द्वारा लगाया जाने वाला टैक्स है यह एक तरह का अप्रत्यक्ष टैक्स है। एक्साइज ड्यूटी को अब सेन्ट्रल वेल्यू ऐडेड टैक्स (CENVAT) भी कहा जाता है।

⇒ f11 + f3 बटन को प्रेस करके feature को on करते हैं।

⇒ Enable excise ⇒ Yes
Set/alter excise details ⇒ Yes

* Excise Details *

⇒ Registration type ⇒ Manufacturer

⇒ ECC Number ⇒ 18001200232

⇒ Define excise Tariff details ⇒ Yes

* Excise Tariff Details *

01 SUNDAY

⇒ Tariff Name ⇒ Excise Sale

Reporting unit of measure ⇒ U (Unit)
Rate ⇒ 18%

Ledger बनाते हैं।

9 ⇒ Name ⇒ Exices Duty Sale
Under ⇒ Duties & Taxes
10 Type of duty / Tax ⇒ CENVAT
11 Duty Head ⇒ Basic Excise Duty

12

⇒ Name ⇒ Sale
1 Under ⇒ Sale Amount

2 Set/alter excise ⇒ Yes
Excise Sale

3 ⇒ सामानों का लेजर बनाते हैं।

4 Name ⇒ Banana, Apple, Mouse, Keyboard
Under ⇒ Primary
5 Units ⇒ Kg, Pcs, Dzn, litter
Set/alter Ex ⇒ Yes, Exices Sale
6 Types of Stock item ⇒ Capital Goods
Conversion factor ⇒ 1Kg, 1U

7

⇒ Accounting Voucher में जा कर Entry (F8) में करते हैं।

फिर Exices Duty Sale को काटते हैं।

* V.A.T *
* Value Added Tax *

इसका हिन्दी मे मतलब "मूल्य वर्धित कर" होता है यदि कोई व्यक्ति किसी वस्तु और सेवा आपूर्ति कर के वार्षिक टर्नओवर (5 लाख) होता है तो VAT भरने हेतु पंजीकरण करना अनिवार्य होता है

⇒ Future को On करते है F11 F3 बटन प्रेस करके Enble Value added Tax को Yes करते है।

Set/alter VAT details को ⇒ Yes
State ⇒ Uttar, Pradesh
Tin. ⇒ 12345678
Interstate Sales taxnumber ⇒
CST Registeration date ⇒ 01-04-2022
Set/alter Tax Rate details ⇒ Yes

* Tax Rate details *

VAT Rate

Tax Rate = 12%
Additional Tax ⇒ 20%
Tax Type ⇒ Taxble

⇒ Accounting info मे जा कर
C/A, S/C, SD, Sale, Purchase

⇒ Name ⇒ V.A.T Enebele
Under ⇒ Duties Tax
Types of duty Tax ⇒ VAT

Rounding Method ⇒ Normal Rounding
Rounding limit ⇒ 5

⇒ सामानो का लेजर बनाते है
Ex.... Apple, Banana, etc

⇒ Accounting Voucher मे जा कर (F9)
entry करते है।

Supplier ⇒ 1.2.3.4
Party Name ⇒ Maneesh S/D

Current ⇒ Purchase

Particulars	Quantity	Rate Per	Amoun
Apple	10	80	800

VAT . . . .

⇒ Accounting Voucher मे जाकर (F8) Entry करते है

Intigurated Tax

Party A/c Name => Ram S/c Suplier G/G
Purchase Ledger => Purchase Ledger

Tax classification
Intigurated Purchase Taxable

Name of Item	Qty	Rate	Amount
Apple	5	50	
Mango	5	50	
GST			

Narration ——

Intigurated Sales F8

Party Name => Costumer Delhi
Sale Ledger => Sales

Name of Item	Qty	Rate	Amount
Apple	3	50	
Banana	3	50	
I GST			

Narration ——

Narration

* (GST Payment करना) *

GST को Payment करने के लिए सबसे पहले महाजन, ग्राहक, मालिक Sale, Purchase, CGST, IGST का लेजर बनाये

लेजर बनाने से पहले GST Enable कर ले।

* अब समान का लेजर बनाये समान का लेजर बनाने के बाद Accounting Voucher मे जाकर F2 से Date को change करे 1.7 जुलाई फिर F9 से Entry करे

Supp. Invice No =>
Party Account Name =>
PurcHase Ledgen =>

Name of Item	Quntity	R.P.A	
Apple	15	50	500
Banana	10	25	300

Sale करने की Entry Accounting Voucher में जाकर F8 में करे

Ref –

Party A/c Name
Sales Ledger

Name of Item	Qty	Rate	Amount
Apple	15	50	750
Mango	15	100	500

समान को सेल Purchase करने के बाद GST Payment करने कि Entry F5 से करते है।

F2 से Date Change करे
1 – August ↵

Alt + 5 करे

08 SUNDAY

Type — GST

Periiod foram ⇒ 1-7-2021 to 1-7-21

Payment type ⇒ Regular

Account Particular	Amount
C.G.ST	20000
S.G.ST	20000
I.G.ST	20000

Narration —

Being GST Paid four to Month of July 2021

— o —

* Branch Division * इस ग्रुप उस व्यापार | कम्पनी मे काम मे लिया जाता है जहा व्यापार कम्पनी की एक से ज्यादा शाखाए होती हो व्यापार के ब्रांचो से फैला आता हो तो उसे ब्रांच Division ग्रुप मे सामिल करते हो।

Accounting Info मे जाकर Leadger Create करते है

(1) Name - Arjun C/A
under - Capital Account

(2) Name -> New Sonipat branch Division pvt. LTD
under - Branch Division

(3) Name - New Carnal branch pvt. LTD
under - Branch Division

(4) Name - union bank
under - Branch Division

Account voucher मे जाते है
F6 से पैसा लगाते है

Account → Cash
Particular → Amount
Arjun 80000

इसके बाद F5 से पेमेन्ट करते है

Account → Cash
Particular → Amount
NewSonipat → 15000
union bank → 15000
~~Union bank~~

* F5 से पेमेन्ट करते है *

(2) Account — Cash
Particular — amount
New Karnal branch → 10,000
Division
union bank → 10,000

F6 से Recipt करते है

Account → Cash
Particular → Amount
New Sonipat branch → 8000
union bank

* Fixed Assests *

अचल संपत्तियां फिक्स्ड एसेस्ट को एसेट्स और उपकरण जिसका उपयोग एक व्यवसाय अपनी आय को बढ़ाने के लिए करता है।
जैसे → कम्प्यूटर, फर्नीचर, वाहन मशीनरी,

~~F11, F3 से~~

~~करते है।~~ F11, F3 से feature को on

① Enable Goods and Service Tax (GST)? [Yes] करते है
② Set/Alter GST details [Yes] करते है
③

GSTIN/UIN : 09AAAAA1234A4Z5

उसके बाद Set/Alter GST rate details [Yes]

Taxability → Taxable

Tax Type → Rate
18%
9%
9%

Account Info में जाकर Leadger create करते हो

① Name - Arjun C/A
under - Capital Account

② Name Computer
under - fixed Assest

③ Is GST Applicable → Applicable
Set/Alter GST Details को yes करते हो

Natural of transaction → Purchase Taxab

Natural of goods → Not Applicable

Tax Details
Taxability → Taxable

Tax Type	Rate
I - Tax	18%
C - Tax	9%
S - Tax	9%
C - Tax	0%

Types of Supply – Goods

(2) Furniture A/c
under – fixed Assest

Is GST Applicable – Applicable
Set/Alter GST Details – yes

Natural of Transaction – Purchase taxable

Tax Details
Taxability → Taxable

Tax Type	Rate
I – Tax	18%
C – Tax	9%
S – Tax	9%
C – Tax	0%

Type of Supply – Goods

Name – GST
under – Duties Taxes
Type of Duty/Tax – GST
Tax Types → Integated tax

Account voucher में जाकर F6 से
कम्पनी में पैसा लगाते है।

Account → Cash
Particular → Amount
Arjun → 80000

F9 से Purchase करने कि
entry करते है Ctrl+V Press करते है।

Supplier invoice No – 1234
Particular – Credit
Cr – Cash – 15000
Dr – Computer – 10000
Dr – IGST

* F8 से Entry करते है *

Supplier invoice No – 1234
particular — credit
Cr , Cash 10000
Dr : Furniture A/c 8000
Dr , IGST 2000

check करने के लिए
Balance Sheet में जाते है।
Alt के साथ F1 press करते है

Enblepurchase order — Yes
use Tracking Number — Yes

* समान Order करना *

9

* Company बनाते है।

10

* फिर उसके बाद Acaunts info मे जा कर के, Arjun, Manish, Rafick Sale, Purchase, का लेजर बनाते है।

11

12

* और सामान को Order करने के लिए
1 Name:- Purchase Order
Under:- Purchase Amaunt

2

* उसके समान को वापस पाने के लिए
3 Name:- Purchase Order Revusive
Under:- Purchase Amaunt

4

* उसके बाद सामान का लेजर बनाते है
5 जो हमे Order करना होता है।

6 Ex:- Apple, Banana, Lux, Dio etc.

7 * उसके बाद Acaunts Vaucher मे जा कर के Alt + F4 प्रेस कर Vucher Auder की entry करते है।

22 SUNDAY

59 and

Alt + F9 Rev

Sale Alt + F5

* उसके बाद Order किया हुआ सामान को Revising करते है जो की उसकी entry Alt + F9 से होती है।

* उसके बाद समान को sell करते है जो की entry F8 मे होती है।

Sale Order करना

जैसे आप Purchase Order किये है वैसे सेम Sale Order है।

आपको करना क्या केवल लेजर change करना Purchase Order की जगह आपको Sale दिखाना है

इसकी entry Sale Order Alt + F5 से होती है

Sale Revice करने के लिए Alt + F8

(संपत्ती)

Fixed assets as Stock Item

⇒ सबसे पहले आपको GST को enable कर लेना है
⇒ CGST / SGST

⇒ उसके बाद लेजर बनाना है

Ex ⇒ ① Name ⇒ Computers
Under ⇒ Fixed Assets

GST applicable ⇒
Set/Alter GST ⇒

GST Details for Ledger

Nature of transaction - Purchase Tax
Rate Set कर के save कर लेना है

entry करने के लिए Voucher में जा कर F9 करके बाद Ctrl ctrl + V press कर देना है।

एक लेजर और Party Name का

Name ⇒ SKY Computers S/C
Under ⇒ Sundary Cr.

②

Stockitem

अगर आपको Fixed assets में भी देखना है कि कितने का सामान लिया और कितना खरीदे तो सबसे पहले आपको Fixed assed का लेजर बनाना पड़ेगा।

Name → Fixed Assed
Under → " "
(3) Inventory Values Yes

उसके बाद सामानो का लेजर बनाते है

Name → Computer
Under → Fixed assets
(4) Unit → PCS
Set Alter - Yes

उसके बाद entry करते है F9

Party → SKY
Purcher Lager → Fixed

Name of Item	Quty	Rate	Am
Computer	1	2000,	"

Closing Stock को लाने करने के लिए Inventory मे जा कर Stock Item मे जा कर Alter मे जाने के बाद F12 को प्रेस करके Allow advanced entries को Yes कर देना है

Costing method = At Zero Cost

fixed assets को समझने से पहले आपको बता दें कि Assets का मतलब होता है संपत्ती

किसी भी कंपनी संस्था या व्यक्ति के लिए assets एक ऐसी चीज है जिनपर वह अपना मालिकाना हक रखते हैं और जिनसे उन्हे economic value यानी आर्थिक लाभ प्राप्त होता है या बाद मे हो सकता है

यानी हर वह चीज जिनसे किसी कंपनी संस्था या व्यक्ति को आर्थिक लाभ होता है वह चीजे उनके लिए assets यानी संपत्ति है।